

उत्तर प्रदेश प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (उ०प्र० कैम्पा) कार्यपालक समिति की दिनांक 21.02.2024 को आयोजित दसवीं बैठक का कार्यवृत्त

उत्तर प्रदेश कैम्पा कार्यपालक समिति की दसवीं बैठक दिनांक 21.02.2024 को अपरान्हन 03.00 बजे प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, कार्यपालक समिति, उ०प्र० कैम्पा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में भाग लेने वाले कार्यपालक समिति के सदस्यों की सूची संलग्न है (संलग्नक-1)।

सर्वप्रथम, सदस्य सचिव, कार्यपालक समिति, उ०प्र० कैम्पा द्वारा बैठक में उपस्थित कार्यपालक समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक का शुभारम्भ किया गया।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से नियमित एजेंडा बिन्दुओं पर विचार-विमर्श के उपरान्त समिति द्वारा निम्नानुसार निर्णय लिए गए:-

एजेण्डा बिन्दु-1 :- उत्तर प्रदेश कैम्पा कार्यपालक समिति की नवीं बैठक दिनांक 30.10.2023 के कार्यवृत्त की पुष्टि किया जाना।

समिति द्वारा उ०प्र० कैम्पा कार्यपालक समिति की नवीं बैठक दिनांक 30.10.2023 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी।

उ०प्र० कैम्पा कार्यपालक समिति की नवीं बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की स्थिति से अवगत हुई तथा निम्नानुसार निर्देश निर्गत किये गये:-

- (अ)** भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून से “Conducting studies from reputed University/ Organization/ Institutes on causes and remedies of man animal conflict.” विषय पर कराये गये अध्ययन कार्यक्रम के सम्बन्ध में समिति द्वारा निर्देश दिये गये कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उ०प्र०, लखनऊ के स्तर से भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून को उक्त विषय पर अध्ययन रिपोर्ट में आवश्यक संशोधन करते हुये अन्तिम रिपोर्ट माह मार्च, 2024 तक अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।

(ब) फारेस्ट सर्वे ऑफ इण्डिया, कौलागढ़ रोड, देहरादून से “Conducting studies from reputed University/ Organization/Institutes regarding impact of plantations on ecological parameters.” विषय पर कराये गये अध्ययन कार्यक्रम के सम्बन्ध में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक/सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय समिति, काष्ठ आधारित उद्योग, उ०प्र० लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया कि उ०प्र० कैम्पा द्वारा उपलब्ध करायी गयी धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित मण्डलों में वन क्षेत्र के बाहर काष्ठ आधारित उद्योगों हेतु काष्ठ के आंकलन के लिये अध्ययन कार्यक्रम सम्बन्धी कार्यवाही की गयी थी, शेष मण्डलों पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में उच्च स्तर पर निर्णय लिये जाने के पश्चात् कार्यवाही की जा सकेगी।
- उ०प्र० कैम्पा द्वारा कराये जा रहे वृक्षारोपणों, जिन हेतु 7 से 10 वर्ष अनुरक्षण दिया जा रहा है, के सफलता मानकों का निर्धारण के सम्बन्ध में समिति द्वारा निर्देश दिये गये कि शेष जोनल/मण्डलीय मुख्य वन संरक्षक, उ०प्र०, जिनके द्वारा अपने अधीनस्थ वन प्रभागों की क्षतिपूरक वृक्षारोपण के सफलता प्रतिशत सम्बन्धी सूचना प्राप्त नहीं हुयी है, उनसे सूचना प्राप्त करते हुए माह मार्च, 2024 में बैठक अनिवार्य रूप से सम्पादित करा ली जाये।
- (ख)** प्रभागीय वनाधिकारी, सोहेलवा वन प्रभाग में वर्ष 2012 में 5.60 है० एवं वर्ष 2013 में 2.65 है० में कराये गये क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल होने के सम्बन्ध में मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव पूर्वी, गोण्डा द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया कि सोहेलवा वन प्रभाग में वर्ष 2012 में 5.60 है० एवं वर्ष 2013 में 2.65 है० में कराये गये क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल होने का मुख्य कारण वृक्षारोपण क्षेत्र का बाढ़ प्रभावित होना है। असफल वृक्षारोपण क्षेत्र में पुनः पौध रोपण कर वृक्षारोपण को सफल बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन निम्न भूमि एवं जलभराव होने के कारण वृक्षारोपण सफल नहीं

हो सका। असफल वृक्षारोपण के जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की गयी एवं नियमानुसार सम्बन्धित वृक्षारोपण पर व्यय धनराशि की वसूली की गयी है। **तदनुसार प्रकरण में की गयी कार्यवाही से समिति अवगत हुयी।**

(ग) कैमूर वन्यजीव प्रभाग में वर्षाकाल 2016 में कराये गये 50.00 है० क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल वृक्षारोपण के सम्बन्ध में मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव पश्चिमी क्षेत्र, कानपुर द्वारा अवगत कराया गया कि प्रकरण में मा० न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल है तथा प्रकरण अति संवेदनशील होने के कारण प्रभागीय वनाधिकारी, कैमूर वन्यजीव प्रभाग, मिर्जापुर के विभिन्न पत्रों के माध्यम से जिलाधिकारी, मिर्जापुर से उप जिलाधिकारी, लालगंज की अध्यक्षता में संयुक्त टीम गठित कर तिथि निर्धारित करते हुए अतिक्रमण खाली कराने हेतु अनुरोध किया गया है, पुलिस बल मिलते ही खाली करा लिया जायेगा। **तदनुसार प्रकरण में की गयी कार्यवाही से समिति अवगत हुयी।**

(घ)(1) आगरा वन प्रभाग में वर्षाकाल 2017 में कराये गये 30.00 है० क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल वृक्षारोपण के सम्बन्ध में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, आगरा जोन, आगरा द्वारा अवगत कराया गया कि उ०प्र० कैम्पा की वर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रचालन योजना में आगरा वन प्रभाग के अन्तर्गत उक्त असफल वृक्षारोपण को सफल बनाने हेतु धनराशि रू० 51.0306 लाख षष्ठम् वर्ष विशेष अनुरक्षण (तारबाड़ सिचाई हेतु बोरिंग का प्राविधान) हेतु निर्गत धनराशि के सापेक्ष प्रभाग द्वारा पुनः वृक्षारोपण करा लिया गया है तथा सुरक्षा व्यवस्था का कार्य भी करा दिया गया है। वृक्षारोपण अच्छी स्थिति में है जिसका निरीक्षण भी कर लिया गया है, **तत्सम्बन्ध में समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि 30.00 है० क्षतिपूरक वृक्षारोपण में रोपित पौधों की गणना कराकर रिपोर्ट मुख्य वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ०प्र० कैम्पा को उपलब्ध करा दी जाये।**

(घ)(2) प्रभागीय निदेशक, अलीगढ़ वन प्रभाग द्वारा वर्षाकाल 2011 (18.38 है०) एवं वर्षाकाल 2016 में (16.12 है०) क्षतिपूरक वृक्षारोपण तथा वर्षाकाल 2018 (12.87 है०), वर्षाकाल 2019 (74.844 है०) में गैर क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल होने के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वर्षाकाल 2011 (18.38 है०) में कराये गये क्षतिपूरक वृक्षारोपण का एन०एच-91 के चौड़ीकरण में प्रभावित होने के कारण नष्ट हो गये, प्रकरण में भारत सरकार द्वारा निर्गत सैद्धान्तिक/विधिवत स्वीकृति के अनुसार क्षतिपूरक वृक्षारोपण का कार्य हरदोई वन प्रभाग में कराया जा चुका है। वर्षाकाल 2016 में (16.12 है०) असफल क्षतिपूरक वृक्षारोपण के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि सम्बन्धित क्षेत्र में जीवित पौधों के सत्यापन हेतु उप प्रभागीय वनाधिकारी, सा०वा० प्रभाग, एटा के नियंत्रण एवं निर्देशन में पूर्ण किये जाने हेतु समिति का गठन किया गया। उक्त समिति द्वारा वृक्षारोपण स्थलों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण में जीवित पौधों की गणना करायी गयी, जिनमें जीवित पौधों की सफलता मानक के अनुरूप पायी गयी। **तदनुसार प्रकरण में की गयी कार्यवाही से समिति अवगत हुयी।**

वर्षाकाल 2018 (12.87 है०), वर्षाकाल 2019 (74.844 है०) में गैर क्षतिपूरक वृक्षारोपण के असफल हुये वृक्षारोपणों की जाँच आर्थिक अपराध अनुसंधान, संगठन शाखा, कानपुर द्वारा कार्यवाही प्रचलन में है, **तदनुसार समिति द्वारा अवगत होते हुए निर्देशित किया गया कि आर्थिक अपराध अनुसंधान, संगठन शाखा, कानपुर द्वारा कृत कार्यवाही एवं अन्य प्रचलित कार्यवाहियों का विवरण मुख्य वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ०प्र० कैम्पा को उपलब्ध करा दी जाये।**

अन्य एजेण्डा बिन्दु:-

राष्ट्रीय कैम्पा, भारत सरकार के पत्र दिनांक 20.01.2023 में वर्णित “.....any of the relevant Autonomous Institutions viz. ICFRE, IIFM or any other technical institute not directly under the control of State Government.” दिशा-निर्देशा के अनुरूप उ०प्र० कैम्पा के अन्तर्गत कराये गये विभिन्न कार्यों की तृतीय पक्ष निगरानी (Third Party Monitoring) कराये जाने के सम्बन्ध में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून (ICFRE, Dehradun) द्वारा मान्यताप्राप्त (Accredited) 07 संस्थाओं तथा स्वयं ICFRE, Dehradun से, इस

प्रकार कुल 08 संस्थाओं से सहमति तथा Concept Note उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में निम्नानुसार 03 संस्थाओं से सहमति तथा Concept Note प्राप्त हुआ है :-

संस्था का नाम	अनुमानित धनराशि (रु० लाख में)
भारतीय वन प्रबन्धन संस्थान (IIFM) भोपाल, मध्य प्रदेश (जी०एस०टी० सहित)	445.17
वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ (जी०एस०टी० अतिरिक्त)	334.74
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून (ICFRE, Dehradun) (केवल वृक्षारोपण कार्य हेतु) (जी०एस०टी० का उल्लेख नहीं है)	800.00

समिति द्वारा "वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़" (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त ग्रेड A++) द्वारा पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य कैम्पा में किये गये मानिट्रिंग सम्बन्धी कार्यों के अनुभव के दृष्टिगत उ०प्र० कैम्पा की वर्ष 2011 से 2022 तक कराये गये क्षतिपूरक/गैर क्षतिपूरक वृक्षारोपण, सहायतित प्राकृतिक पुनरोत्पादन एवं एन०पी०वी० मद के अन्तर्गत अन्य विभिन्न कार्यों की तृतीय पक्ष निगरानी (Third Party Monitoring) कराये जाने हेतु दी गयी अनुमानित धनराशि न्यूनतम (रु० 334.74 लाख + जी०एस०टी०) पाया गया।

समिति द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के अन्तर्गत पूर्व में वन विभाग एवं अन्य विभागों में वर्ष 2019-20 में रोपित किये गये 22.55 करोड़ पौधों की Third Party Monitoring FSI, Dehradun द्वारा माह जनवरी 2020 से माह अप्रैल 2020 तक किया गया, तसम्बन्धी FSI, Dehradun द्वारा उपलब्ध करायी गयी रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया गया, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:-

S. No.	Components of Plantation	Sampling Intensity (%)	Sample Plots as per the design	Sample Plots Surveyed	Estimate of Planted Area (ha.)
1	Village Panchayats	2.50	3006	2854	50397
2	Urban Local Bodies	3.00	649	636	2929
3	Departmental Plantations	5.00	588	588	32235
Total -			4243	4078	85561

वर्ष 2019-20 में कराये गये केवल वृक्षारोपण कार्य की Third Party Monitoring हेतु रु० 77.50 लाख की धनराशि का भुगतान उ०प्र० वन विभाग (कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ में संधारित अभिलेखों के अनुसार) द्वारा FSI, Dehradun को किया गया है।

जबकि उ०प्र० कैम्पा की वर्ष 2011 से 2022 तक (कुल 12 वर्ष) कराये गये क्षतिपूरक/गैर क्षतिपूरक वृक्षारोपण, सहायतित प्राकृतिक पुनरोत्पादन एवं एन०पी०वी० मद के अन्तर्गत अन्य विभिन्न कार्यों की तृतीय पक्ष निगरानी (Third Party Monitoring) कराये जाने के सम्बन्ध में "वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़" (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त ग्रेड A++) द्वारा प्रेषित सहमति तथा Concept Note के अनुसार वित्तीय आउटले निम्नानुसार है :-

Area of CA/Non-CA Plantation (Ha.) from 2011 to 2022	Number of plantation sites of CA/Non-CA from 2011 to 2022	Sampling Intensity	Rate per Hactare (In Rupees)	Total Proposed Outlay in rupees (excluding GST)
119551.40	8035	10 % of the area of each plantation site	280.00	3,34,74,280.00

समिति द्वारा FSI, Dehradun एवं वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के उपरोक्त तुलनात्मक विवरण एवं वर्ष 2020 से 2024 के मध्य बाजार दरों में वृद्धि, कार्य की मात्रा की अधिकता एवं पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य में कैम्पा कार्यों की Third Party Monitoring के अनुभव आदि के आधार पर उ0प्र0 कैम्पा की वर्ष 2011 से 2022 तक कराये गये क्षतिपूरक/गैर क्षतिपूरक वृक्षारोपण, सहायतित प्राकृतिक पुनरोत्पादन एवं एन0पी0वी0 मद के अन्तर्गत अन्य विभिन्न कार्यों की तृतीय पक्ष निगरानी (Third Party Monitoring) कराये जाने हेतु "वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़" से कराये जाने का निर्णय लिया गया।

एजेण्डा बिन्दु-2:- उत्तर प्रदेश कैम्पा की वर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रचालन योजना के सापेक्ष प्रगति सूचना से समिति को अवगत कराया जाना।

उ0प्र0 कैम्पा कार्यपालक समिति वर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रचालन योजना की प्रगति से अवगत हुयी।

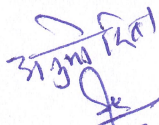
एजेण्डा बिन्दु-3:- उत्तर प्रदेश कैम्पा की वर्ष 2024-25 की वार्षिक प्रचालन योजना के निरूपण से समिति को अवगत कराया जाना।

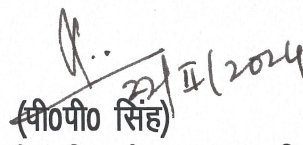
उ0प्र0 राज्य निधि में पूर्व में उपलब्ध अवशेष धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक में धनराशि रू0 12700.00 लाख का प्राविधान किया गया। राष्ट्रीय प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा दिनांक 08.02.2019 से 31.03.2022 तक जमा की गयी धनराशि के अन्तर्गत मिलान की गयी धनराशि के सापेक्ष 90 प्रतिशत की धनराशि रू0 46734.75346 लाख राज्य निधि में दिनांक 10.01.2024 को हस्तांतरित की गयी। तत्क्रम में उ0प्र0 कैम्पा की वर्ष 2024-25 की वार्षिक प्रचालन योजना हेतु धनराशि रू0 21929.21 लाख का प्रस्ताव किया गया।

उक्त के क्रम समिति को अवगत कराया गया कि वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि रू0 12700.00 लाख के सापेक्ष रू0 9229.21 लाख का अनुपूरक बजट के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक में प्राविधान कराया जायेगा।

उक्त के परिपेक्ष्य में समिति द्वारा सम्यक विचारोपरान्त उत्तर प्रदेश कैम्पा की वर्ष 2024-25 की वार्षिक प्रचालन योजना के निरूपण हेतु प्रस्तावित धनराशि रू0 21929.21 लाख से अवगत होते हुए समिति द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

बैठक धन्यवाद के साथ समाप्त हुई।


प्रधान मुख्य वन सहायक और निभावायक
उ0प्र0 लखनऊ

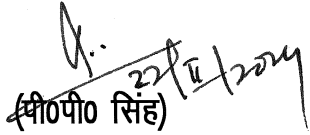

(श्री0पी0 सिंह)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी/सदस्य सचिव
कार्यपालक समिति, (उ0प्र0 कैम्पा), लखनऊ

पत्रांक- 668 /2-37-2 (कार्यपालक समिति-10) दिनांक फरवरी: 22 : 2024

प्रतिलिपि- उपरोक्त बैठक का कार्यवृत्त निम्नलिखित अधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, पर्यावरण, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, नियोजन, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
4. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
5. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, राजस्व, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
6. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, कृषि, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, जनजातीय विकास, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

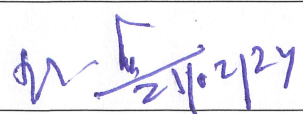



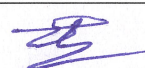
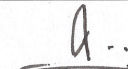
8. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
9. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
10. प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उ०प्र०, लखनऊ।
11. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उ०प्र०, लखनऊ।
12. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, उ०प्र०, कानपुर।
13. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण एवं कार्ययोजना, उ०प्र०, लखनऊ।
14. अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, आगरा जोन, आगरा।
15. मुख्य वन संरक्षक, इकोडेवलेपमेंट, उ०प्र०, लखनऊ।
16. मुख्य वन संरक्षक, वन वर्धनिक, दक्षिणी क्षेत्र कानपुर।
17. मुख्य वन संरक्षक, संयुक्त वन प्रबन्ध, उ०प्र०, लखनऊ।
18. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी (FCA), उ०प्र०, लखनऊ।
19. मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव पश्चिमी, कानपुर।
20. मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव पूर्वी, गोण्डा।
21. वित्त नियंत्रक, कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उ०प्र०, लखनऊ।
22. पर्यावरण शिक्षण केन्द्र (C.E.E), उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय, 83 बाल विहार कालोनी, पिकनिक स्पॉट रोड, फरीदी नगर, लखनऊ (गैर-सरकारी संगठन)।
23. टर्टल सर्वाइवल एलाएन्स (T.S.A) डी 1/317, सेक्टर एफ, जानकीपुरम, लखनऊ (गैर-सरकारी संगठन)।
24. श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, चित्रकुट (जिला स्तर पंचायती राज संस्थान के प्रतिनिधि)।
25. श्री जागन सिंह, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, पीलीभीत (जिला स्तर पंचायती राज संस्थान के प्रतिनिधि)।
26. श्री धनीराम, ग्राम भुसहर ऊँचवा; पोस्ट परसरामपुर, रजेहना, तुलसीपुर, बलरामपुर (आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधि)।


 (पू०पू० सिंह)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी/सदस्य सचिव
 कार्यपालक समिति, (उ०प्र० कैम्पा), लखनऊ

प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष (वन बल के प्रमुख), उ०प्र०, लखनऊ
की अध्यक्षता में उ०प्र० कैम्पा कार्यपालक समिति की दसवीं बैठक दिनांक
21.02.2024 में उपस्थित अधिकारियों की सूची

क्रसं	अधिकारी का नाम/पदनाम	मो०नं०	हस्ताक्षर
1-			
2-	Sunil Kumar Verma Joint Director, Planning Deptt	9454468903	
3-	Dr. ANIL KUMAR Scientist RSAC-UP	8765977669	
4-	RADHEY LAL Joint Director, CSTU	8573051445	
5-	Dr. Dharm Raj Singh, Technical Officer, Agril & Forestry, Krishi Bhawan	9457734860	
6-	Ramesh Singh Fin. Officer Sanjoli Deptt.	9415580781	
7-	अजय कुमार मिश्र, अनुसंधान, ग्राम्य विकास विभाग	9454413311	
8-	राकेश कुमार यादव, उप सचिव राजस्व विभाग	9454412635	
9-	अमिताभ कुमार, Section Officer, Science & Tech	9954413580	
10-	BHAGAT SINGH Engineer For A.M.A Zila Panchayat Chitrakoot	9311329724	
11-	Anupam Gupta RCCF/Model officer	9456246594	
12-	Anuradha Verma APCF, Agra	9868161776	
13-	माना पाण्डेय	8171224494	
14-	हरिश्चन्द्र यादव सहायक अभियन्ता आकृत (लेखा) राजस्व विभाग उ०प्र०	8279892315	
15-	प्रशांत यादव	9454413311	

क्रसं	अधिकारी का नाम/पदनाम	मो0नं0	हस्ताक्षर
16-	अरविन्द कुमार सिंह निदेशक, SFRI, काठपुर	9044844295	 21/2/24
17-	रवि. रवीन्द्र APEC/CEF weldhje Rastam.		
18-	प्रमोद कुमार गुप्ता मं. व. नि. सिंघुत वी. प्रवर्धन	7839435043	
19-	आदर्श कुमार DFO आगरा	7839435137	A.Kar
20-	रिज्वाज उमर वशिष्ठ DFO. अलीगढ़	7839435133	
21-	कल्पना सिंह इंजीनियर जिला पंचायत सीवीसी सीत	7355616257	K. Singh 21/2/24
22-	दोस्टे लाल शर्मा कृते मुख्य उपनिवेशिका जिला पंचायत मुजफ्फर कोटवाल काठपुर	7355138448	
23-	P.P. Singh, CEO, Campa	9452162054	
24-			
25-			
26-			
27-			
28-			
29-			
30-			